

डॉ. बिल मौस, माउंट पर उपदेश व्याख्यान 13, मैथ्यू 6:25ff, चिंता और ईश्वर पर भरोसा करने पर

© 2024 बिल मौस और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बिल मौस द्वारा माउंट पर उपदेश पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 13, मैथ्यू 6:25, और उसके बाद, चिंता और ईश्वर पर भरोसा करने पर है।

हमारे अंतिम दिन में आपका स्वागत है। हम माउंट पर उपदेश समाप्त करने जा रहे हैं, और, मुझे एक बार यह कहना पड़ा, माउंट पर उपदेश, और कुछ बहुत ही रोचक अंश।

मेरा मतलब है, यह दिलचस्प रहा है, मुझे लगता है, लेकिन आज हम कुछ ऐसे रोचक, चुनौतीपूर्ण अंशों पर विचार करने जा रहे हैं जो जीवन बदलने वाले हैं। तो, शुभ दिन। हमने इस खंड पर नीचे के आधे भाग में शुरुआत की थी, ओह, चलो प्रार्थना करते हैं, मुझे खेद है।

पिता, हम चिंता के विषयों, आलोचनात्मक गपशप की भावना के विषयों, एक या दूसरे तरीके को चुनने की चुनौती के विषयों पर विचार करने जा रहे हैं। ये कठिन विषय हैं और ऐसे विषय हैं जिन्हें मैं स्पष्ट रूप से कक्षा में नहीं बता सकता, लेकिन पिता, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप उनके दिल, छात्रों के दिल और दिमाग में काम करें, कि आप आने वाले दिनों और हफ्तों में उनके दिमाग में छंद और शिक्षा लाएं। मैं प्रार्थना करता हूँ, पिता, कि यह सब उनके प्रचार को प्रभावित करने में सहायक रहा है और वे इसे अपने चर्चों में अपने लोगों तक ले जाएंगे और इन मूल, बुनियादी शिक्षाओं में से कुछ में उन्हें चुनौती देंगे जो आपने हमें दी हैं।

हालाँकि कई बार हमें आपका उपदेश पसंद नहीं आता क्योंकि यह बहुत निराशाजनक होता है, लेकिन हम इसके लिए आपका धन्यवाद करते हैं, और हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आप एक धैर्यवान ईश्वर हैं जो हमारे साथ यात्रा पर हैं। हम आपके धैर्य के लिए धन्यवाद देते हैं क्योंकि हम बार-बार सीखते हैं कि इन आयतों का क्या अर्थ है। यीशु के नाम में, आमीन।

ठीक है, हम दूसरे भाग पर आ गए हैं, जो श्लोक 25 से शुरू हो रहा है। तो, मत्ती 6, श्लोक 25। मुझे लगता है कि 25 से 34 तक के इस अंश में मैंने वर्णनात्मक श्रृंखला लिखी है।

यह पूरे नए नियम में सबसे महत्वपूर्ण, जांच करने वाला, निराश करने वाला, दोषी ठहराने वाला, प्रोत्साहित करने वाला अंश है। यह निश्चित रूप से एक ऐसा अंश है जो हमारे विश्वास के मामले में हम सभी को दोषी ठहराता है, और साथ ही यह हमें दोषी भी ठहराता है। मुझे लगता है कि यह हमें अपने स्वर्गीय पिता पर भरोसा करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

सच तो यह है कि हममें से ज़्यादातर लोग चिंता करना पसंद करते हैं, है न? यह मेरा आध्यात्मिक उपहार है। यह मेरा उपहार है। मैं चिंता करने के लिए इतनी चीज़ें बना सकता हूँ जितनी कार्टर के पास गोलियाँ नहीं हैं।

मेरा मतलब है, यह मेरा उपहार है। मेरी पत्नी इस बात से हैरान है कि मैं किस बात की चिंता करता हूँ। यह बेहतर हो रहा है।

यह अच्छी बात है कि जीवन एक यात्रा है, लेकिन जब हम कहीं यात्रा करते हैं, तो मैं लगातार सोचता रहता हूँ कि अगर कार खराब हो जाए तो मैं क्या करूँगा। क्या मैं वापस जाऊँगा, या आगे जाऊँगा? आखिरी पेट्रोल पंप कहाँ था? सबसे नज़दीकी ऑन या ऑफ-रैंप कहाँ है? मैं सोचता हूँ कि अगर हम अभी खराब हो जाएँ तो टो ट्रक हमें कहाँ ले जाएगा। और मैं बस, मेरा मतलब है, मैं चिंता करने के लिए ऐसी चीज़ें बना सकता हूँ जो आपको हैरान कर देंगी। और मैं वास्तव में इस बारे में दृढ़ निश्चयी हो गया, वास्तव में कई साल पहले माउंट पर उपदेश पढ़ाते हुए।

और मैंने कहा, आप जानते हैं, भगवान, यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे काम करना है। और यह बेहतर हो रहा है। हमारे ट्रक में 160,000 हैं, और हमारी जीप में 120,000 हैं।

इसलिए, टूट जाना एक बहुत ही वास्तविक संभावना है। लेकिन यह है, हम सभी को चिंता करना पसंद है। हम सभी को चिंता करना पसंद है।

अगर हमें चिंता करना पसंद नहीं होता, तो हम ऐसा नहीं करते। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी को चिंता करना पसंद है। और इसका एक कारण यह भी है कि मुझे लगता है कि इससे हमें नियंत्रण का भ्रम होता है।

लेकिन जैसा कि हम देखेंगे, यह कोई विकल्प नहीं है। इस अनुच्छेद में चिंता कोई विकल्प नहीं है। मेरे पिताजी इस वाक्यांश का उपयोग करते हैं कि चिंता, उद्धरण, व्यावहारिक नास्तिकता है।

यह एक बहुत बढ़िया वाक्य है। जब आप और मैं उन चीज़ों के बारे में चिंता करते हैं जिनके बारे में भगवान ने हमें बताया है कि वह उनका ख्याल रखेंगे। हम ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो भगवान मौजूद ही नहीं हैं, या कम से कम उन्हें परवाह ही नहीं है।

सही? और यह पाप है। फिलिप्पियों 4:6 से 7. चिंता मत करो, बल्कि सब कुछ परमेश्वर को सौंप दो। इसलिए, चिंता की यह पूरी बात एक ऐसा विषय है जो मेरे दिल के बहुत करीब है।

और फिर, मैं इस पर काम कर रहा हूँ। लेकिन यह हमेशा एक चुनौती होती है। ठीक है।

अध्याय 6 का संदर्भ ईश्वर के प्रति अविभाजित निष्ठा का आह्वान है। और जब यह श्लोक 25 में "इसलिए" से शुरू होता है, तो वह धन पर भरोसा करने के बजाय धन की चर्चा को आगे बढ़ा रहा है, है न? क्योंकि या तो आप धन चुनते हैं या आप ईश्वर को चुनते हैं। इसलिए, यदि आप ईश्वर को चुनते हैं, तो आप सांसारिक खजाने को इकट्ठा करने का चुनाव नहीं कर रहे हैं।

तो, चूँकि आप सांसारिक खजाने को इकट्ठा नहीं करने जा रहे हैं, तो आप किस पर भरोसा करते हैं? और तर्क, तर्क का प्रवाह यह है कि पैसे कमाने की अपनी क्षमता पर भरोसा करने के बजाय,

हम भगवान पर भरोसा करते हैं। इसलिए यह इसलिए से शुरू होता है। इसलिए, यीशु ने पद 25 में अपनी थीसिस बताई।

इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ, चिंता मत करो। ठीक है, बाकी सब तो टिप्पणी है। अपनी चिंता मत करो, बस इतना ही।

यही थीसिस है। अगर हमारे मालिक के प्रति हमारी वफ़ादारी के कारण, पिछले भाग में, आपको चिंता क्यों है कि वह आपकी देखभाल करेगा या नहीं? उसने आपका शरीर बनाया है। उसने आपका जीवन बनाया है।

उसने आपके शरीर को, आपके जीवन को बनाए रखने का वादा किया है। चिंता मत करो। चिंता मत करो।

यही थीसिस है। मुझे इसे पूरा पढ़ने दो। इसलिए, मैं तुमसे कहता हूँ, अपने जीवन के बारे में चिंता मत करो।

और जीवन से मेरा मतलब है कि आप क्या खाते-पीते हैं, इसलिए अपने शरीर या पहनने-ओढ़ने की चिंता मत करो। मुझे माफ़ करें। हाँ।

क्या जीवन भोजन से ज़्यादा नहीं है और शरीर कपड़ों से ज़्यादा नहीं है? तो, यह आपकी थीसिस है। और इसमें इतना कुछ है कि हम ज़्यादा विस्तार में नहीं जा सकते।

मेरे उपदेशों की श्रृंखला में से एक उपदेश विश्वदृष्टि के बारे में है। क्या हम वास्तव में मानते हैं कि जीवन में भोजन से ज़्यादा कुछ है? क्या हम वास्तव में इस तरह जीते हैं जैसे कि जीवन में सिर्फ़ हम जो पहनते हैं उससे ज़्यादा कुछ है? यह इस बारे में एक बहुत बड़ा कथन है कि हम जीवन और चीज़ों के प्रति किस तरह से पेश आते हैं, और हमारे पास इस पर बात करने का समय नहीं है। लेकिन वैसे भी, यही पद 25 में थीसिस है।

फिर वह जो करने जा रहा है वह यह है कि उसके पास चिंता न करने के बारे में बात को समझाने के लिए तीन पाठों की एक श्रृंखला है। और पहला पाठ 26वें श्लोक में है, और यह भोजन के बारे में प्रकृति से एक पाठ है। वह एक सादृश्य बनाने जा रहा है।

और इसलिए, श्लोक 26 में, वह कहता है, आकाश के पक्षियों को देखो। वे न बोते हैं, न काटते हैं, न खलिहानों में रखते हैं, और फिर भी तुम्हारा स्वर्गीय पिता उन्हें खिलाता है। बस देखो कि परमेश्वर अपनी सृष्टि के साथ कैसा व्यवहार करता है।

उसने इसे बनाया है। वह इसे बनाए रखता है। देखो तुम्हारे आस-पास क्या हो रहा है।

और फिर वह बात पर जोर देता है। क्या तुम उनसे कहीं ज़्यादा मूल्यवान नहीं हो? ठीक है। तो, वह कह रहा है, ध्यान से देखो।

वह हवा में उड़ने वाले पक्षियों को सिर्फ़ एक उप-अनुवाद के रूप में नहीं देखता। यह एक जोरदार ग्रीक शब्द है। इसका मतलब है ध्यान से देखना, रुकना, अध्ययन करना, सीखना।

क्या आपके द्वारा इस्तेमाल किए गए किसी भी अनुवाद में ऐसा कहा गया है? क्या उनमें से किसी में ध्यान से देखने या ऐसा कुछ करने के लिए कहा गया है? हाँ, यह बहुत बुरा है। यह, सब कुछ ऐसा ही है; कभी-कभी, मुझे लगता है कि बाइबल में सब कुछ या तो बहुत ज़्यादा अनुवादित है या कम अनुवादित है। हम बस सही बात नहीं कह सकते।

भगवान ने दुनिया से प्यार किया। वाह, अगापाओ किस तरह का प्यार है? और आप नहीं कर सकते, आप जानते हैं, आप बस, आप नहीं कर सकते, यह एक टिप्पणी है। यह एक उपदेश है।

लेकिन यहाँ, यह शब्द एक ग्रीक शब्द है जिसका स्पष्ट अर्थ है ध्यान से देखना, सीखना। हाँ, विचार करना सही दिशा में जा रहा है। यह है, यह एम्बलेपो है, मुझे लगता है, हाँ।

और यह, तो यह, शब्द लुक का एक जोरदार रूप है, लेकिन पूरा मुद्दा विचार करने का है। हाँ, मूल रूप से, एक आदमी, वह एक डलास प्रोफेसर है, उसने लेक्सहैम अनुवाद किया, इसलिए वह अनुवाद करने के तरीके में सामाजिक अनुवाद संबंधी रीति-रिवाजों से विवश नहीं था। खैर, ठीक है।

पक्षियों को ध्यान से देखो। निरीक्षण करो, अध्ययन करो, सीखो। वे भोजन की चिंता नहीं करते।

वे कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन वे चिंता नहीं करते। इसलिए, श्लोक 26 से कुछ तर्क निकल कर आते हैं। पहला, परमेश्वर प्रदान करता है।

जब हम प्रकृति को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि ईश्वर हमें क्या प्रदान कर रहा है। आप कहते हैं, हाँ, पक्षी मर जाते हैं। हाँ, हम भी मर जाते हैं।

लेकिन वह उनकी देखभाल करता है। मैं अपने केबिन में हूँ। मुझे पक्षियों को खाना खिलाना बहुत पसंद है।

ऐसा लगता है जैसे भगवान ने हमें धरती की देखभाल करने के लिए कहा है। और इसलिए, मैं जो एक तरीका अपनाता हूँ, वह है, ईमानदारी से, कि हम ढेर सारी मूंगफली और पक्षियों के लिए बहुत सारा चारा खरीदते हैं। क्योंकि, और आप इसे बाहर रखते हैं, मुझे पक्षियों को खाते हुए देखना बहुत पसंद है।

और वे बस खाते हैं, खाते हैं, खाते हैं और खाते हैं। और, आप जानते हैं, यह एक, यह है, मुझे गिलहरी के आने तक 20 छोटे पक्षियों के जीवन को बनाए रखने का एक हिस्सा बनना है।

वैसे, गिलहरी-रोधी पक्षी पिंजरा जैसी कोई चीज़ नहीं होती। आप इस बात से वाकिफ़ हैं। आप उन्हें दुकानों में देख सकते हैं।

मुझे नहीं लगता कि उनमें से कोई भी काम करता है। हमारे पास जेक नाम का एक गिलहरी है। वह हमारे अटारी में रहता है।

हमने उसे अपने अटारी में रहने दिया है। और यह, वह इस समय इतना शांत है कि वह हमारे हाथ से मूंगफली खा लेता है। मेरे जीजा एक बार घर पर आए थे।

और वह सारा दिन जेक को खाना खिलाने में बिताता था। जेक बहुत खुश था। और वह अपने पैरों की उंगलियों के बीच मूंगफली चिपका रहा था और ऐसी ही दूसरी चीजें कर रहा था।

एक बार, जेक आया, और टेरी ने उसे नहीं देखा। जेक को लगा कि उसका पैर मूंगफली का है, और इससे उसे चोट लगी।

इससे दुख हुआ। लेकिन जैसे भी, मुझे नहीं पता। आप जानते हैं, चाहे यह हमारे माध्यम से हो या किसी और माध्यम से, भगवान प्रदान करता है।

तो, आप प्रकृति को देखते हैं और सोचते हैं कि भगवान उनकी ज़रूरतें पूरी कर रहे हैं। और फिर, दूसरी बात, हम उनसे ज़्यादा मूल्यवान हैं। है न? हम भगवान की छवि में बनाए गए हैं।

पक्षियों को बनाया नहीं गया है। अटारी में पक्षियों की बात करें तो, ठीक है, हाँ, वहाँ एक पक्षी है। भगवान उन्हें प्रदान करता है।

हम पक्षियों से ज़्यादा मूल्यवान हैं। हमें भगवान की छवि में बनाया गया है। वे नहीं हैं।

हम सृष्टि के शिखर हैं। और इसलिए, तीसरा, हमें यह निष्कर्ष निकालना होगा कि ईश्वर हमें प्रदान करेगा। हमें प्रकृति से निष्कर्ष निकालना होगा।

और यही चिंता की सबसे बड़ी बुराई है। चिंता करने का मतलब है यह विश्वास करना कि ईश्वर ने जो बनाया है, उसे वह बनाए नहीं रखेगा। बल्कि, हमें इस बात पर भरोसा करना चाहिए कि ईश्वर हमारे साथ पक्षियों से भी बेहतर व्यवहार करेगा।

खैर, यह मुश्किल है, है न? खैर, मेरे लिए तो यह मुश्किल है। चिंता करना बहुत आसान है, आप जानते हैं। पादरी वास्तव में धरती पर सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाला पेशा नहीं है, कुछ को छोड़कर।

आप जानते हैं, चिंता करना आसान है। और फिर भी भगवान हमारी मदद करते हैं, है न? मुझे याद है जब हम गॉर्डन-कॉनवेल में काम करने के लिए बोस्टन चले गए थे। हम स्पोकेन में अपना घर नहीं बेच पाए थे।

हमने हर जगह कोशिश की, लेकिन हम सफल नहीं हो पाए। इसलिए, हमें इसे किराए पर लेना पड़ा, लेकिन पैसे कम पड़ गए। बोस्टन बहुत महंगा है।

और इसलिए, हमें वहां पहले से कहीं ज़्यादा घर का भुगतान करना पड़ा। और मैं रॉब से बात कर रहा हूँ। मैंने पूछा कि यह कैसे संभव होगा। और वह कहती है, मुझे कुछ नहीं पता। लेकिन हमें बहुत दृढ़ता से लगा कि भगवान चाहते थे कि हम गॉर्डन-कॉनवेल जाएँ।

इसलिए, हमने कहा कि हम आज्ञाकारी रहेंगे और चिंता न करने की कोशिश करेंगे। कुछ साल बाद, हमने स्पोकेन में घर का भुगतान कर दिया। और हमने एक-दूसरे को देखा और आश्चर्य किया कि ऐसा कैसे हुआ। मैं वापस जाऊंगा, और अगर आपके पास ये अनुभव हैं, तो आप वापस जाएं, और आप अपना बजट बनाएं, और आप अपनी आय देखें, और आप अपने खर्चों को देखें, और आप पाते हैं, वे मेल नहीं खाते हैं।

मेरा मतलब है, मैं हमेशा ऐसी कहानियाँ सुनता रहता हूँ। जैतून का तेल, तेल का जार खाली नहीं होता, है न? एलिजा, क्या वह एलिजा है? हाँ। टायर घिसते नहीं।

गाड़ियाँ नहीं टूटतीं। कपड़े ज़रूरत से ज़्यादा समय तक चलते हैं। आप जानते हैं, मेरा मतलब है, जब हम वही करते हैं जिसके लिए उसने हमें बुलाया है, तो परमेश्वर हमारा ख्याल रखता है।

और इसलिए, सबक यह है कि हम पक्षियों को देखें। हम सीखते हैं कि भगवान उनकी देखभाल करते हैं। और इसलिए, वह हमारी भी देखभाल करने जा रहे हैं क्योंकि हम पक्षियों की तुलना में असीम रूप से अधिक मूल्यवान हैं।

दूसरा कारण 27 में है; हम नहीं करते, और यह सिर्फ सामान्य ज्ञान है। खैर, चिंता करने का क्या मतलब है? इससे कोई फ़ायदा नहीं होता। श्लोक 27, क्या आप में से कोई भी चिंता करके अपने जीवन में एक घंटा भी जोड़ सकता है, या जैसा कि आप जानते हैं, ग्रीक में अस्पष्ट है, अपने कद में एक हाथ या कुछ भी जोड़ सकता है, क्या यह इंच है या? दूसरा क्या कहता है, फुटनोट क्या कहता है? ठीक है, तो हाँ, या एक हाथ जोड़ दें।

हाँ, ठीक है। हाँ, यह सिर्फ अनुवाद संबंधी समस्या है। और असल में, मैं अपना पाठ अपने साथ नहीं लाया था।

हाँ, तो यह सामान्य ज्ञान है। चिंता क्यों करें? इससे कोई फ़ायदा नहीं होता। आप चिंता नहीं कर सकते, और आप अपनी ज़िंदगी में एक घंटा भी नहीं जोड़ सकते, चाहे आप कितनी भी चिंता क्यों न करें।

तो, यह सामान्य ज्ञान है। यह सोचना कि चिंता वास्तव में किसी भी चीज़ का समाधान कर सकती है, उतना ही मूर्खतापूर्ण है जितना यह सोचना कि आप अपनी आयु में एक घंटा या अपनी ऊँचाई में 18 इंच जोड़ सकते हैं। पृष्ठ 169 पर स्टॉट ने इसे बहुत अच्छे तरीके से कहा है।

तो फिर चिंता बेकार है। यह समय, विचार, घबराहट की ऊर्जा की बर्बादी है। हमें एक दिन में एक दिन जीना सीखना होगा।

हमें भविष्य के लिए योजना बनानी चाहिए, लेकिन भविष्य के बारे में चिंता नहीं करनी चाहिए। एक दिन की परेशानी एक दिन के लिए काफी होती है, या हर दिन की अपनी परेशानियाँ होती हैं। तो फिर उनका पूर्वानुमान क्यों लगाया जाए? अगर हम ऐसा करेंगे, तो वे दोगुनी हो जाएँगी।

क्योंकि अगर हमारा डर सच नहीं होता, तो हम एक बार बिना किसी कारण के चिंतित हो जाते हैं। अगर यह सच हो जाता है, तो हम एक बार के बजाय दो बार चिंतित हो जाते हैं। दोनों ही मामलों में, यह मूर्खतापूर्ण है।

चिंता से परेशानी दोगुनी हो जाती है। यह बहुत ही खूबसूरती से कहा गया है, बहुत ही खूबसूरती से कहा गया है। चिंता यह है कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि चिंता वास्तव में इससे भी बदतर है।

जब आप और मैं चिंता करते हैं, तो हम भगवान से यह कहते हैं कि हमें विश्वास नहीं है कि वह हमारी परवाह करता है। मेरा मतलब है, किसी भी पारिवारिक रिश्ते के बारे में सोचें। आपका जीवनसाथी या आपके बच्चे आते हैं, और वे कहते हैं, पिताजी, मुझे नहीं लगता कि आप आज रात मुझे खाना खिलाएँगे।

कल्पना कीजिए कि अगर आपका बेटा या बेटी आपसे ऐसा कहे तो आपको कैसा लगेगा। मुझे नहीं लगता कि हम ऐसा कर पाएँगे। मुझे नहीं लगता कि आपको मेरी इतनी परवाह है कि आप मुझे खाना खिलाएँ या कपड़े पहनाएँ।

और यही हम परमेश्वर के साथ करते हैं जब हम चिंता करते हैं कि क्या वह हमसे किए गए अपने वादों को पूरा करेगा। इसलिए, श्लोक 27 में कारण संख्या दो बस सामान्य ज्ञान है। चिंता करने का कोई मतलब नहीं है।

तीसरा कारण श्लोक 28 से 30 में है। और फिर से, वह प्रकृति की ओर लौटता है, और कहता है, यहाँ प्रकृति से कपड़ों के बारे में एक सबक है। हाँ, पहला सबक भोजन के बारे में था, और यह सबक कपड़ों के बारे में था।

श्लोक 28 से 30. तुम कपड़ों की चिंता क्यों करते हो? देखो कि खेत के फूल कैसे उगते हैं। वे न तो मेहनत करते हैं और न ही कातते हैं।

फिर भी मैं तुमसे कहता हूँ कि सुलैमान भी अपने पूरे वैभव के साथ इनमें से किसी एक की तरह कपड़े नहीं पहनता था। यदि परमेश्वर मैदान की घास को इस तरह कपड़े पहनाता है, जो आज यहाँ है और कल आग में झोंक दी जाएगी, तो क्या वह तुम्हें, हे अल्पविश्वासियों, और भी अधिक कपड़े नहीं पहनाएगा? और मैं जानता हूँ कि यह सेवकाई के आरंभिक चरण में है, लेकिन यह बात यीशु को उन लोगों की ओर मुड़ने के लिए चुभती होगी जिन्होंने उसका अनुसरण करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी। और वह उन्हें पुकारता है, अरे अल्पविश्वासियों।

इसलिए, भगवान पौधों का निर्माण करते हैं और उन्हें पालते हैं। हम उनके लिए फूलों से कहीं ज़्यादा महान हैं। और इसलिए, विश्वास यह मानता है कि भगवान हमारे साथ मैदान के फूलों से भी बेहतर व्यवहार करेंगे।

और देखिए, यही कारण है कि यह आस्था का मुद्दा है। यही कारण है कि उन्होंने कहा कि तुम कम आस्था वाले हो। अंततः, यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या तुम मानते हो कि वह ईश्वर जो बाकी सब कुछ बनाता और बनाए रखता है और जिसने तुम्हें और मुझे बनाया है, उसके पास इतना विश्वास है कि वह यह विश्वास कर सके कि वह उस जीवन को बनाए रखेगा जो उसने हमें दिया है। और यह आस्था का मुद्दा है।

धर्मोपदेश श्रृंखला में, इस छोटे से विश्वास के मामले पर एक अलग धर्मोपदेश है। और मैं बस इसे पढ़ना चाहता था और थोड़े से विश्वास के बारे में कुछ बातें कहना चाहता था। तो, हम पाठ को छोड़ देंगे, बस इस वाक्यांश की व्याख्या, और फिर हम वापस आएं।

मार्टिन लॉयड-जोन्स इस बारे में बहुत ही रोचक तरीके से बात करते हैं। वे कहते हैं, कम विश्वास का क्या मतलब है? खैर, हम सभी के पास, और मसीह के किसी भी शिष्य के पास, उद्धार के लिए पर्याप्त विश्वास है। हमारे पास यह विश्वास करने के लिए पर्याप्त विश्वास है कि मसीह ने हमारे लिए क्रूस पर वह किया जो हम अपने लिए नहीं कर सकते थे।

इसलिए, हम मानते हैं कि क्रूस पर उनकी मृत्यु हमें पिता तक पहुँच प्रदान करती है। लेकिन अगर हमारे पास कम विश्वास है, तो इसका मतलब है कि हमारे पास जीवन की रोज़मर्रा की गतिविधियों में भगवान पर भरोसा करने के लिए पर्याप्त विश्वास नहीं है, जो कि, अगर आप इसे देखते हैं, तो आप सोचते हैं, ओह, जी, मुझे आश्चर्य है कि कौन सा कठिन था। कौन सा कठिन था, मरना और हमें पिता तक पहुँच प्रदान करना या उसके बच्चों की देखभाल करना? मेरा अनुमान है कि पहला वाला थोड़ा कठिन था।

और फिर भी, जब हमारे पास कम विश्वास होता है, तो हमारे पास पहले के लिए पर्याप्त विश्वास होता है, लेकिन इसका मतलब है कि हमारे पास दूसरे के लिए पर्याप्त विश्वास नहीं है। हम उसकी सहायता देने वाली शक्ति पर भरोसा नहीं करते, हमें भोजन, कपड़े और आश्रय देने की सहायता देने वाली शक्ति पर। वह कहता है, आप जानते हैं, अपनी सारी चिंता उस पर डाल दो क्योंकि वह तुम्हारा ख्याल रखता है, 1 पतरस 5:7, जैसा कि पतरस कहता है।

लेकिन क्या हमारे पास ऐसा करने के लिए पर्याप्त विश्वास है? और जब हम कम विश्वास की श्रेणी में आते हैं, तो हम यही कह रहे होते हैं कि हम अपनी चिंता उस पर नहीं डालते क्योंकि हमें नहीं लगता कि वह हमारी देखभाल करेगा। इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम और हमारे लोग, आपके उपदेश और आपके मार्गदर्शन और बाकी सब के माध्यम से, मुझे लगता है, वास्तव में समझें कि विश्वास रखने का क्या मतलब है क्योंकि, विश्वास के बिना, उसे प्रसन्न करना असंभव है, है न? यही आधार है। यही भगवान चाहते हैं।

परमेश्वर हमारा परमेश्वर बनना चाहता है। वह चाहता है कि हम उसके लोग बनें। वह चाहता है कि हम उसके साथ एक रिश्ते में रहें, और वह हमारे साथ एक रिश्ते में रहे।

और ऐसा होने के लिए जो आधारभूत, मौलिक चीज़ ज़रूरी है वो है विश्वास। इसीलिए इब्रानियों में कहा गया है कि बिना विश्वास के परमेश्वर को प्रसन्न करना असंभव है। यही आधारभूत बात है: हमें विश्वास करना होगा कि वह कौन है, कि वह वही है जो वह कहता है कि वह है, और वह वही करेगा जो वह कहता है कि वह करेगा।

यही आधारभूत हिस्सा है। और, आप जानते हैं, यह एक बेहतरीन उपदेश श्रृंखला होगी जिसमें इस बारे में बात की जाएगी कि आप इस तरह के विश्वास में कैसे बढ़ते हैं। और मैं जिस बिंदु पर पहुंचा हूँ, वह यह है कि सबसे पहले, हमें यह पहचानना होगा कि हमें यह करना है।

ईश्वर हमें उस पर भरोसा करने के लिए कहता है। और क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि, जैसा कि मैंने कहा, विवाह या परिवार में क्या तबाही होगी यदि पति या पत्नी में आस्था न हो और यदि आपके बच्चे आप पर भरोसा न करें तो आप खुद पर भरोसा न करें? और इसके विपरीत, आस्था के बारे में सीखने का एक हिस्सा यह है कि नहीं, हमें ऐसा करना ही होगा।

हमें बताया गया है। जब मैं 14 के बारे में चिंता कर रहा था, जिस राजमार्ग 14 पर हम यात्रा करते हैं, जब मैं वहाँ बैठकर चिंता कर रहा था कि मैं टो ट्रक के कितने करीब हूँ, क्या मैं अभी भी सेल रेंज में हूँ, तो यह एक पाप था। और जिस चीज़ ने मुझे बदलना शुरू किया, वह यह एहसास था कि यह एक पाप है, और मुझे इसका पता लगाना होगा।

मुझे भरोसा करना सीखना होगा। मुझे चिंता न करना सीखना होगा। भरोसे के अभाव में जीना अपमानजनक और अतार्किक है।

यह व्यावहारिक नास्तिकता है जो ईश्वर की संतानों के लिए अस्वीकार्य है। हमें ईश्वर के सभी वादों पर विश्वास करने के लिए कहा जाता है। और इसलिए, मुझे लगता है कि विश्वास में आगे बढ़ने का एक हिस्सा बस यह चुनौती है कि हमें यह करना ही होगा।

मुझे लगता है कि आस्था में वृद्धि का दूसरा चरण सही ढंग से सोचना सीखना है। और यही बात यीशु यहाँ कह रहे हैं। उन्होंने कहा, पक्षियों को देखो।

बस एक पल के लिए रुकें। सांस लें। अपनी चिंता से ब्रेक लें।

अपने आस-पास क्या है, इस पर गौर करें। देखें कि जानवरों की देखभाल कैसे की जाती है। देखें कि वे कैसे खाते हैं।

देखो फूल कितने सुंदर हैं। थोड़ा समय लो और अपने विचारों को पुनः दिशा दो। और इसलिए धार्मिक रूप से, ऐसा करने का एक तरीका यह कहना है, अच्छा, देखो, भगवान ने मुझसे प्यार किया।

मैं एक पापी था। मसीह मेरे लिए मरा। क्या यह सोचना कोई समझदारी है कि वह मेरी देखभाल करना जारी नहीं रखेगा? उसने पहले ही बहुत कठिन काम कर दिया है।

उसने मेरे पत्थर के दिल को मांस के दिल में बदल दिया है जो लचीला है और परमेश्वर की आत्मा के काम से प्रभावित हो सकता है। मैं यह क्यों नहीं मानूंगा कि वह मेरी देखभाल करेगा? इसका एक हिस्सा बस रुकना और सोचना और अपने दिमाग को इसके बारे में साफ करना है। मैं मार्टिन लॉयड जोन्स का एक उद्धरण ढूँढ रहा हूँ, लेकिन मुझे वह नहीं मिल रहा है।

ओह, ठीक है, यह सामने आएगा। और फिर, कभी-कभी, मुझे लगता है कि हमें बस विश्वास से बाहर निकलना होगा। हमें बस यह करना है।

हमें, आप जानते हैं, भगवान कहते हैं, मैं चाहता हूँ कि आप परिवार और घर और आराम को छोड़कर बोस्टन जाएँ और गॉर्डन कॉनवेल में पढ़ाएँ। ओह, यार, मैं यहाँ बस सहज हो रहा हूँ। कभी-कभी, हमें बस विश्वास से बाहर निकलने के लिए कहा जाता है।

और आखिरकार हम इसी तरह सीखते हैं, है न? जब तक हम अपने आरामदायक माहौल में रहते हैं, जब तक हम ऐसे लोगों को जानते हैं और जानते हैं कि वहाँ वेतन मिलता है। और, आप जानते हैं, आपका जीवनसाथी एक दिन आपके पास आता है और कहता है, मुझे सच में लगता है कि हमें ग्रह चर्च कहा जा रहा है। सच में? खैर, जैसे ही भगवान मुझे बताएंगे, हम इस बारे में बात कर सकते हैं।

अगले दिन वापस आइये। आप जानते हैं क्या? मुझे लगता है कि आप सही हैं। मुझे लगता है कि हमें विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

यार, मैं जीविका के लिए क्या करने जा रहा हूँ? हम कहाँ रहने जा रहे हैं? मैं बच्चों की देखभाल कैसे करूँगा? कैसे? ओह, एक मिनट रुको। यह चिंता है। इसलिए, मैं बस इतना कह रहा हूँ कि कम विश्वास से महान विश्वास की ओर बढ़ने का एक हिस्सा बस भगवान के वचन पर विश्वास करना और आगे बढ़कर उसे करना है।

मेरा मतलब है, और भी बहुत सी बातें हैं, लेकिन ये वो बातें हैं जो मुझे प्रभावित करती हैं और कहने लायक हैं। मुझे लगता है कि आप वहाँ बैठे हैं, आप यीशु के नए शिष्य हैं, और वह कहता है, ओह, तुम कम विश्वास वाले हो। ओह, यार, यह बात चुभ गई होगी।

आपके पास तो पक्षी जितना भी विश्वास नहीं है। तो खैर, बस कुछ ही बातें, कुछ छोटी-मोटी टिप्पणियाँ। वैसे, एक और बहुत ही दिलचस्प बात है। मुझे यह मेरे नोट्स में नहीं दिख रहा है, लेकिन मैं इसके बारे में कुछ कहना चाहता हूँ।

यहाँ एक बहुत ही रोचक बात चल रही है। क्या भगवान दो पैसे के बैग के लिए पक्षियों को खाना खिलाते हैं? मेरी पॉपिस। आप लोगों ने यहाँ फ़िल्में नहीं देखीं।

ठीक है। क्या भगवान पक्षियों को खाना खिलाते हैं? और यह कहना आसान है, नहीं, वे मेरे पक्षी फीडर से आकर खाते हैं, या वे जमीन पर बीज ढूँढते हैं, या वे एक-दूसरे को खाते हैं या, आप जानते हैं, अगर यह काफी बड़ा है, तो हमारे पास कुछ चील हैं जो हमारे केबिन के पास घोंसला बनाते हैं। उन्हें मछली पकड़ते देखना बस आकर्षक है।

मैं चीलों को खाना नहीं खिलाता। वे खुद ही अपना खाना खाते हैं। हर सुबह सात बजे बाहर निकलते हैं, तैरते हैं, तालाब के ऊपर से उड़ते हैं, बड़े पुराने छोटे मुँह वाले बास।

क्या आपके पास एक बड़ा पुराना स्मॉलमाउथ बास हो सकता है? नहीं हो सकता, है न? हाँ। जब आप उन्हें पकड़ते हैं, तो वे बड़े स्मॉलमाउथ बास होते हैं। ठीक है।

आप जानते हैं, आप उन्हें देखते हैं, और उम्मीद है कि वे अधिक पार्सक पकड़ेंगे और उनसे छुटकारा पा लेंगे। लेकिन, आप जानते हैं, आप पक्षियों को उड़ते हुए, मछलियों और उनके पंजों को देखते हैं और, और आप सोचते हैं, क्या भगवान वास्तव में उन्हें खिला रहे हैं? खैर, यह पूरे विश्वदृष्टिकोण का मुद्दा है। और फिर से, मैं इसे गुज़रते हुए उल्लेख करने जा रहा था, लेकिन यह एक दिलचस्प विषय है।

जब आप सोचते हैं कि चीलें अपना पेट भर रही हैं या छोटी चिड़ियाँ अपना पेट भर रही हैं, तो यह एक विश्वदृष्टि है। बाइबल कहती है कि परमेश्वर उन्हें खिला रहा है। और परमेश्वर ने संसार की स्थापना की है और संसार में इस तरह से शामिल है कि वह पक्षियों को बीज खाने और चील को मछलियाँ पकड़ने में सक्षम बना रहा है, लेकिन अंततः, वह ही है जो अपने सृजन को वस्त्र पहनाने और खिलाने का काम कर रहा है।

देखिए, विश्वदृष्टि क्या है? यह वास्तविकता को देखने का आपका नज़रिया है। और जब आप, जब आप उससे सहमत हो जाते हैं, तो इसे आंतरिक रूप से स्वीकार करना और यह कहना बहुत आसान हो जाता है कि, ठीक है, हाँ, उसने मुझे कुछ बुद्धिमत्ता दी। उसने मुझे कुछ अवसर दिए और मुझे नौकरी दी।

यह वह चीज नहीं है जो मुझे खिला रही है। यह वह चीज नहीं है जो मुझे कपड़े पहना रही है। कल वॉलमार्ट गया और एक स्विमिंग सूट खरीदा।

हम कहाँ जा रहे हैं? हाँ। आउटर बैक्स। हम आउटर बैक्स जा रहे हैं।

मेरी पत्नी ने मेरे और दो बच्चों के लिए एक होटल बनवाया है। और इसमें एक सुस्त, सुस्त नदी भी है। क्या आपने कभी ऐसा देखा है? मैंने कभी ऐसा नहीं देखा, सिर्फ़ उनके बारे में सुना है।

वे बस, वे बस, आप एक आंतरिक ट्यूब लेते हैं और नदी के नीचे तैरते हैं, मुझे लगता है। तो, मुझे एक स्नान सूट की जरूरत है। तो, मैं जाऊंगा, और मैंने एक स्नान सूट खरीदा।

क्या भगवान ने मुझे वह स्विमिंग सूट दिया था? खैर, अगर मैं दुनिया के बारे में बाइबल के हिसाब से सोचूँ, तो इसका जवाब हाँ है। मेरा कार्ड स्वीकार होने का एकमात्र कारण यह है कि भगवान अपनी कृपा से अपनी सृष्टि को बनाए रख रहे हैं। पक्षी, फूल, उनके बच्चे।

यह एक संपूर्ण विश्वदृष्टि है। मेरा मतलब है, उनमें से एक एक बार एक उपदेश में की गई मेरी त्वरित टिप्पणी थी। और मैं चर्च के एक लड़के के बारे में सोच रहा था।

और उसने अपनी नौकरी खो दी थी, और वह मेरा दोस्त है। और मैं जानता था कि यह बात उसे कितनी परेशान कर रही थी। और मैंने बस एक टिप्पणी की।

मैंने कहा, यह एक रूढ़िवादी टिप्पणी है, लेकिन मैंने कहा, पुरुषों, आपका काम अपने परिवार का भरण-पोषण करना नहीं है। आपका काम अपने परिवार की देखभाल करना है। और, ज़ाहिर है, पत्नी का काम देखभाल करना है।

और मैंने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि यह अंश है। और मेरा दोस्त, जैसा कि मुझे याद है, प्रार्थना के बाद, आँखों में आँसू लिए मेरे पास आया। और उसने कहा कि यह बहुत मुक्तिदायक था।

अब, मैं अभी भी नौकरी की तलाश में हूँ। जब मुझे नौकरी मिल जाएगी, तब भी मैं बहुत मेहनत करूँगा। लेकिन परमेश्वर ने वादा किया है कि अगर मैं उसके राज्य की तलाश करूँगा, तो वह मुझे जीवन की बुनियादी ज़रूरतें देगा, और हम उसी दिशा में जा रहे हैं।

और मेरे दोस्त को नौकरी पाने में कुछ समय लगा, लेकिन भगवान ने उसे नौकरी दे दी। और यह उसके लिए एक मुक्तिदायक अवधारणा थी। लेकिन यह एक तरह की विश्वदृष्टि है।

इसलिए, मैं आपको अपनी चिंता के साथ अपनी लड़ाई में चुनौती देता हूँ: आप उस स्पेक्ट्रम पर जहाँ भी हों, आप वास्तविकता को कैसे देखते हैं? और जब आप पक्षियों को भोजन करते हुए देखते हैं, तो क्या आप कहते हैं, भगवान, उनका ख्याल रखने के लिए धन्यवाद? जब आप नदी के उस पार हिरणों को पानी लेते हुए देखते हैं, तो कहते हैं, भगवान, अपने अद्भुत जानवरों को खिलाने के लिए नदी उपलब्ध कराने और मुझे स्की करने के लिए जगह देने के लिए धन्यवाद। आप जानते हैं, मेरा मतलब है, यह एक विश्वदृष्टि है। मैं आपको इसी तरह सोचने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ।

ठीक है, तो कारण संख्या तीन कपड़ों के बारे में प्रकृति से एक सबक था। भगवान जो कुछ भी बनाता है उसे बनाता है और बनाए रखता है। ठीक है, वह सब कुछ बनाता है, और वह जो कुछ भी बनाता है उसे बनाए रखता है।

हम पक्षियों और फूलों से कहीं ज़्यादा मूल्यवान हैं। तो, क्या हम मानते हैं कि वह जो कुछ भी बनाता है, उसका ख्याल रखेगा? आप सभी आज सुबह बहुत शांत हैं। यह धार्मिक दृष्टि से बहुत समृद्ध है।

आप बस इसे महसूस कर रहे हैं, है न? डरो मत। डरो मत। मुझे यकीन नहीं होगा, लेकिन वह कभी नहीं जाता।

टिम: नहीं, ऐसा कभी नहीं होता। नौकरी से निकाल दिए जाने पर आपकी ऐसी परीक्षा होगी, जो शायद ही किसी और चीज से हो।

यह डरावना और भयावह है। मैंने जो देखा है, खास तौर पर अफ्रीका और पनामा, इक्वाडोर के राजमार्गों पर चलते हुए, राजमार्गों पर गाड़ी चलाने के लिए भगवान पर भरोसा करने और देखभाल को बचाने की तुलना में अधिक विश्वास की आवश्यकता होती है। तीसरी दुनिया के कुछ देशों में राजमार्गों पर गाड़ी चलाने के लिए अधिक विश्वास की आवश्यकता होती है... ऐसा कैसे? सिर्फ इसलिए कि यह बहुत खतरनाक है? नैरोबी से एल्डोरेट तक हम जिस राजमार्ग पर चलते हैं... ओह, यह अफ्रीका में है, ठीक है।

...दुनिया में तीसरा सबसे खतरनाक है। सच में? तो, हम उड़ते हैं। तो, अगर आप गुड सेमेरिटन की कहानी को फिर से बताने जा रहे हैं, तो आप कहते हैं, एक बार एक आदमी नैरोबी से... एल्डोरेट गया।

एल्डोरेट, हाँ, ठीक है, हाँ। हाँ, सर। हाँ, मुझे लगता है कि... मैं आपकी सराहना करता हूँ... आपकी अपनी आस्था और मुझे लगता है कि जिस चीज़ पर मैंने गौर किया है, और इसीलिए मैं यह सब अध्ययन कर रहा हूँ, वह है इतने सारे लोगों के पीछे ईश्वर का यह विचार।

और यह ईश्वर है जिसके बारे में यीशु बात कर रहे हैं। यह बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करता है कि हम ईश्वर को किस रूप में समझते हैं। अगर कोई प्रार्थना है, तो मैं प्रार्थना करूँगा।

मैं जीऊँगा। हाँ। ठीक है। ठीक है। ठीक है। हाँ। हाँ। हाँ। हाँ।

अच्छा। मैं इसे दोहराता हूँ। तो मूल रूप से, मुद्दा यह है कि धर्मोपदेश के पीछे एक ईश्वर है, और धर्मोपदेश का बहुत बड़ा हिस्सा हमें यह समझने में मदद कर रहा है कि ईश्वर कौन है, और ईश्वर कैसे कार्य करता है, और इसलिए ये सभी, एक अर्थ में, अनुप्रयोग बिंदु हैं, लेकिन वे हमें वापस इस ओर ले जाते हैं कि ईश्वर के बारे में हमारी समझ क्या है, और क्या यह सही समझ है? हाँ, यह एक बहुत अच्छी बात है।

यह छोटी सी बात, क्या यह राई के दाने के बराबर है? अगर आप इसकी तुलना राई के दाने से करने जा रहे हैं, तो आपको कहना होगा कि यह एक दाने से भी कम है। मुझे लगता है कि राई के दाने के पहाड़ को समुद्र में फेंकने की बात यह है कि शक्ति आपके विश्वास में नहीं बल्कि आपके विश्वास की वस्तु में है। इसलिए मुझे लगता है कि थोड़ा अलग मुद्दा उठाया जा रहा है, कि अगर मैं सच में मानता हूँ कि यह भगवान की इच्छा है कि माउंट सेंट हेलेन्स को प्रशांत महासागर में फेंक दिया जाए, तो मुझे बहुत अधिक विश्वास की आवश्यकता नहीं है; यह हेलेन्स को हिलाने की शक्ति है। और पिछले विस्फोट को ध्यान में रखते हुए, जो कि बहुत दूर नहीं है, शक्ति वास्तव में भगवान में है जो पहाड़ को हिलाता है, और यह एक अलग बात है कि हम अक्सर भगवान के चरित्र में इतना कम विश्वास करते हैं।

अगर आप कभी प्रशांत महासागर के उत्तर-पश्चिम में हैं, तो आपको माउंट सेंट हेलेन्स जरूर देखना चाहिए। यह पाँच के ठीक सामने है। मैंने अपने जीवन में हेलेन्स जैसा कुछ भी दुनिया में कहीं नहीं देखा है।

जब वह चीज़ उड़ती है, तो क्या होता है? आप लगभग 20 मील के भीतर पहुँचते हैं, और अचानक, आप देखते हैं कि सभी पेड़ गिर गए हैं, लेकिन अजीब बात यह है कि वे सभी एक ही दिशा में गिरे हैं, और यह लगभग 20 मील तक चलता है। जब हेलेन्स उड़ी, तो उसने पाँच मील के भीतर सब कुछ तहस-नहस कर दिया। कुछ भी नहीं।

स्पिरिट झील सबसे नीचे है, और पूरी झील उसमें से बाहर निकल गई। पहाड़ का किनारा पानी के तल में गिर गया। जब पानी वापस नीचे आया, तो यह पहले से 200 फीट ऊपर था।

और यह सिर्फ एक ज्वालामुखी है। और आप सुनने लगते हैं कि इसे विघटित करने के लिए क्या करना पड़ता है। इसने सिर्फ पेड़ों को ही नहीं उड़ाया।

वहाँ कुछ भी नहीं है। इसने उन्हें विघटित कर दिया। और आप महसूस करते हैं कि हमारे भगवान ने ब्रह्मांड को अस्तित्व में बोला।

और यह बस एक पहाड़ है जो बगल की ओर उड़ रहा है। वैसे भी, उन्होंने जो किया है वह यह है कि उन्होंने प्रकृति की मदद न करके, बल्कि प्रकृति के पुनर्निर्माण का बहुत अच्छा काम किया है। और प्रकृतिवादी इसे इसलिए पसंद कर रहे हैं क्योंकि वे इसे देख रहे हैं।

तो, आप जो देख रहे हैं वह प्राकृतिक है... यह भगवान का एक तबाह भूमि को पुनर्जीवित करने का तरीका है। और मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है। एक बार ऐसा हुआ जब मैं स्पिरिट लेक की ओर जा रहा था, और मैंने एक कोने को मोड़ा, लेकिन मुझे कोई और दिखाई नहीं दिया।

और मैं एक पल के लिए रुक गया। मैंने सोचा, क्या मैं चाँद पर हूँ? मेरा मतलब है, यह बहुत ही दिलचस्प है। दरअसल, जिस किताब पर मैं काम कर रहा हूँ, उसका एक अध्याय माउंट सेंट हेलेन्स के बारे में है और आप पहाड़ पर जाकर भगवान के बारे में क्या सीख सकते हैं।

लेकिन अगर आप कभी प्रशांत महासागर के उत्तर-पश्चिम में जाएं, तो खुद पर एक एहसान करें। माउंट सेंट हेलेन्स पर जाएं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ और है।

तो वैसे भी। मैं क्या कह रहा था... वास्तव में एक... ओह! आप व्यवस्थित विज्ञान लेते हैं। कभी-कभी, आप पवित्रशास्त्र के दृष्टिकोण से शुरू करते हैं।

लेकिन हर व्यवस्थित धर्मशास्त्र में पहला मुख्य विषय क्या है? धर्मशास्त्र वास्तव में ईश्वर का सिद्धांत है। और यही आप कह रहे थे: सब कुछ ईश्वर के बारे में हमारी समझ से निकलता है। मेरा मतलब है, बिल्कुल सब कुछ उसी के साथ विस्तारित होता है।

और इसीलिए बाइबल उत्पत्ति से शुरू होती है क्योंकि यहीं से आप ईश्वर के बारे में बहुत कुछ सीखना शुरू करते हैं, एक सृजनकर्ता ईश्वर के रूप में, एक पालनकर्ता ईश्वर के रूप में, एक संबंधपरक ईश्वर के रूप में, एक पवित्र ईश्वर के रूप में, एक ईश्वर के रूप में, आप जानते हैं, जब उसने आदम और हव्वा को फर से ढका, तो वह कहां से आया? उसने एक जानवर को मार डाला। अब, मुझे नहीं पता कि आप इस पर कहां हैं, लेकिन मुझे लगता है कि सीएस लुईस सही हैं। मुझे लगता है कि जानवर सभी बात कर सकते हैं।

और वे निश्चित रूप से मित्रवत थे। वे एक दूसरे को खा नहीं रहे थे। हर कोई आदम के पास आया, और उसने उनका नाम रखा।

मेरा मतलब है, जानवरों के साथ उनका निजी रिश्ता था। और आदम और हव्वा ने पाप किया, और भगवान ने अपने पालतू जानवरों में से एक को मार डाला, मूल रूप से, और उसे उनके चारों ओर लपेट दिया। यह एक अच्छा कार्डिगन नहीं है।

मेरा मतलब है, यह एक मृत जानवर है जिसके साथ आपका किसी न किसी स्तर पर रिश्ता रहा है। तो, आपके पास ईश्वर है जो मुक्तिदाता ईश्वर है। आपके पास प्रतिस्थापन प्रायश्चित है।

मेरा मतलब है, सब कुछ उत्पत्ति 1, 2 और 3 में है। लेकिन इसकी शुरुआत इस बात से होती है कि ईश्वर कौन है? और मुझे लगता है कि वेन की सिस्टमैटिक्स शास्त्र के सिद्धांत से शुरू होती है, जो शुरू करने के लिए एक समझने योग्य जगह है। लेकिन फिर वे सभी उचित धर्मशास्त्र, ईश्वर के बारे में वचन से शुरू होते हैं। ठीक है।

चलिए इसे यहीं खत्म करते हैं। निष्कर्ष, फिर, श्लोक 31 से 34 में है। इसलिए, चिंता न करें।

वह अपने विषय पर वापस आ रहा है। इसलिए चिंता मत करो। यह मत कहो, हम क्या खाने जा रहे हैं? हम क्या पीने जा रहे हैं? हम क्या पहनने जा रहे हैं? वह कहता है, बुतपरस्त, वे जो परमेश्वर के साथ वाचा या रिश्ते से बाहर रहते हैं।

और पुराना अनुवाद गैर-यहूदी है, जिससे ऐसा लगता है कि यह गैर-विश्वासी यहूदियों पर लागू नहीं होता। और यह गैर-विश्वासी यहूदियों पर लागू होता है। और यही कारण है कि एनआईवी में बुतपरस्तों का उल्लेख है, जैसा कि मैंने कहा।

बुतपरस्तों के लिए, जो लोग परमेश्वर के साथ वाचा या रिश्ते से बाहर हैं, वे कम से कम, एक नई वाचा के रिश्ते की तलाश में रहते हैं, क्योंकि बुतपरस्त इन चीजों के पीछे भागते हैं। मेरा मतलब है, वे खाने-पीने और कपड़ों के पीछे पागल हैं।

बुतपरस्त लोग इन चीजों के पीछे भागते हैं। तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इनकी ज़रूरत है। मेरा मतलब है, वह मूर्ख नहीं है।

वह जानता है कि तुम्हें कपड़ों की ज़रूरत है। वह जानता है कि तुम्हें खाने की ज़रूरत है। वह जानता है कि तुम्हें पीने की ज़रूरत है।

किसी ऐसी चीज़ के बारे में चिंता न करें जिसकी चिंता करना आपकी ज़िम्मेदारी नहीं है। तो, हम क्या करें? और यह बाइबल में मेरी पसंदीदा आयत है। पहले उसके राज्य की खोज करो।

पहले उसकी धार्मिकता की खोज करो। और फिर ये सब चीज़ें। और ये सब चीज़ें क्या हैं? इनका पूर्वगामी क्या है? भोजन, कपड़ा, आश्रय।

यह मर्सिडीज़-बेंज नहीं है। यह बीएमडब्ल्यू नहीं है। यह केबिन नहीं है।

लेकिन ये सब चीज़ें जीवन की बुनियादी ज़रूरतें हैं। हमारी ज़रूरतें, हमारा लालच नहीं।

ये सारी चीज़ें तुम्हें दी जा सकती हैं। अब, पक्षी कड़ी मेहनत करते हैं। हमें कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

लेकिन आखिरकार, देने वाला तो भगवान ही है। इसलिए, कल की चिंता मत करो। कल खुद ही अपनी चिंता कर लेगा।

हर दिन की अपनी ही परेशानी होती है। ठीक है। इसलिए, वह पद 31 में थीसिस को फिर से दोहराता है।

चिंता मत करो। और फिर वह हमें दो अंतिम कारण बताता है, है न? श्लोक 32 में। पहला, परमेश्वर हमारा पिता है।

यह चिंता न करने का पहला कारण है। गैर-यहूदी और गैर-विश्वासी यहूदी आस्था के परिवार से बाहर हैं। परमेश्वर उनका पिता नहीं है।

उनके भोजन, कपड़े और आश्रय प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं है। अब, वह कुछ हद तक ऐसा करता है। वह न्यायी और अन्यायी दोनों पर बारिश बरसाता है, है न? लेकिन परमेश्वर के परिवार से बाहर के लोगों के लिए जीवन की ज़रूरतें प्रदान करने का उसका कोई दायित्व नहीं है।

लेकिन अगर आप विश्वास की संतान हैं तो वह आपके पिता हैं। वह आपके पिता हैं। उन्होंने आपको ये सब प्रदान करने का वचन दिया है।

तो, पहला कारण यह है कि परमेश्वर हमारा पिता है। हम पिता-पुत्र, पिता-पुत्री के रिश्ते में रहते हैं। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ कि यह अंतिम कारण है।

मैं इसे यहीं छोड़ता हूँ। तो, आपको यह अंतिम तर्क मिल गया है कि हमें क्यों चिंता नहीं करनी चाहिए। और फिर वह क्या करने जा रहा है, वह अपनी थीसिस को नकारात्मक रूप से बता रहा है।

चिंता मत करो, चिंता मत करो, चिंता मत करो। और श्लोक 33 में, वह इसे सकारात्मक रूप से बताने जा रहा है। तो यह कुछ हद तक एक ही बात है।

चिंता करने के बजाय, उसके राज्य की तलाश करें। भूख और प्यास, परमानंद की भाषा में कहें तो, उसकी धार्मिकता के लिए भूख और प्यास। और फिर, क्योंकि वह हमारा पिता है, वह अपने बच्चों को वह सब प्रदान करेगा जो हमें जीने के लिए चाहिए।

इस दुनिया में अपने लिए जीने से ज़्यादा हमें परमेश्वर के लिए जीना चाहिए। परमेश्वर का राज्य हमारे अपने राज्य से ज़्यादा महत्वपूर्ण है। प्रभु की प्रार्थना याद रखें: तेरा राज्य आए।

और अगर हम ऐसा करेंगे, तो वह हमारा ख्याल रखेगा। इसका नतीजा यह है कि हम श्लोक 34 में पहुँच गए हैं। इन सबका नतीजा यह है कि चिंता करने की कोई गुंजाइश ही नहीं है।

चिंता करने की कोई गुंजाइश नहीं है। जब हम चिंता करते हैं, तो हम अपने दिमाग को अभाव से भर देते हैं... यह एक तरह की छवि है जो मुझे पसंद है कि हमारा दिमाग सीमित है। कि हमारा दिमाग केवल इतनी ही जानकारी रख सकता है।

और इसलिए अगर हम अपने मन को भरोसे की कमी से भर देते हैं, अगर हम खुद पर और अपनी समस्याओं और अपने डर पर ध्यान केंद्रित करते हैं, अगर हम अपनी चिंता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम जो कर रहे हैं वह यह है कि हम ईश्वर को बाहर धकेल रहे हैं। क्योंकि दोनों के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। लेकिन अगर हम हर चीज से ऊपर ईश्वर की तलाश करते हैं, अगर हमारा मन उनसे, उनके प्यार, उनकी बुद्धि, उन पर भरोसा और उन पर आत्मविश्वास से भरा हुआ है, तो चिंता के लिए कोई जगह नहीं है, या कम से कम उतनी जगह नहीं है।

और हम यह जानकर निश्चित हो सकते हैं कि हम उसकी बाहों में हैं और वह हमारा ख्याल रखेगा। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए एक मददगार छवि है। इसका मतलब यह नहीं है कि ईसाई आलसी हो सकते हैं या काम नहीं कर सकते, है न? पक्षी कड़ी मेहनत करते हैं।

पॉल ने चर्च से दूर रहने वाले आलसी लोगों को बहिष्कृत किया, चर्च अनुशासन का अभ्यास किया, 2 थिस्सलुनीकियों, जो चर्च से दूर रहते थे। इसका मतलब यह नहीं है कि हम कड़ी मेहनत नहीं करते हैं। लेकिन आखिरकार, जब हम अपना काम करते हैं, जब हम वह करते हैं जिसके लिए परमेश्वर ने हमें बुलाया है, तो आखिरकार परमेश्वर ही वह है जो हमें सब कुछ देता है, और हमें उस पर भरोसा करना चाहिए।

पद्य 34 में, यहीं से मुझे मार्टिन लॉयड-जोन्स की बातें मिलीं। पद्य 34 बहुत ही मजाकिया है। यह बढ़िया है।

कल की चिंता मत करो। कल अपने बारे में ही चिंता करने वाला है। कुछ ऐसी चीजें होंगी जिनके बारे में वह नहीं कह रहे हैं कि आपको कल के बारे में चिंता करनी चाहिए, लेकिन कल अपने साथ कई चुनौतियाँ लेकर आएगा।

और आज हमारे पास ध्यान केंद्रित करने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए बस वर्तमान में रहें। वर्तमान में रहें।

कल की चिंता मत करो। मार्टिन लॉयड-जोन्स कहते हैं, चिंता एक सक्रिय शक्ति है। चिंता में बड़ी कल्पना शक्ति होती है।

यह सभी तरह की चीजों की कल्पना कर सकता है, है न? सभी तरह की संभावनाएं। चिंता हमें भविष्य में ले जाती है, और हम उन चिंताओं का अनुभव करते हैं जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। स्टॉट अपनी बात में यही कहना चाह रहे थे, है न? क्या इसका मतलब यह है कि अगर आप किसी ऐसी चीज के बारे में चिंता करते हैं जो नहीं होती, तो आप बेवजह चिंता करते हैं।

अगर ऐसा होता है, तो आप दो बार चिंता कर चुके हैं। आप आज चिंता करते हैं। आप कल की चिंता करते हैं। इसलिए कल की चिंता न करें।

वर्तमान पर ध्यान केंद्रित रखें। कल की अपनी चुनौतियां हो सकती हैं। अपनी दैनिक सुरक्षा के बारे में चिंता में न रहें, चाहे वह आज की हो या कल की।

कल निश्चित रूप से अपनी चुनौतियों और निराशाओं के साथ आएगा। और, मैं यह भी जोड़ना चाहूंगा कि कल भी ईश्वर की कृपा के साथ आएगा जो हमें कल से बाहर निकालने के लिए पर्याप्त होगा। बेटा, आपको न केवल ईश्वर की शक्ति पर बल्कि ईश्वर की बुद्धि और ईश्वर के प्रेम पर भी भरोसा करना होगा।

क्योंकि हो सकता है कि आपके लिए उसका प्रावधान वैसा न हो जैसा आप चाहते हैं, है न? मेरा मतलब है, यह वास्तविक चीज़ का हिस्सा है। हो सकता है कि वह स्थानीय बेघर आश्रय में एक बिस्तर खोलकर आपके लिए प्रावधान करे, है न? और सवाल यह है कि क्या आप उससे इतना प्यार करते हैं और उस पर इतना भरोसा करते हैं कि आप उसके इस निर्णय को स्वीकार कर सकें कि वह आपके लिए कैसे प्रावधान करने जा रहा है? कल रात एक दिलचस्प अनुभव हुआ। खैर, यह कोई बड़ी बात नहीं है, इसलिए मैं आपको बताता हूँ।

हम कल पैसे के बारे में बात कर रहे थे, है न? हमने लोगों की मदद करने के लिए चित्रण का उपयोग किया है, और मैं चिकन-फिल-ए में आड़ू मिल्कशेक लेने गया क्योंकि मैट का कहना है कि वे दुनिया की सबसे अच्छी चीज़ें हैं। खैर, मूल रूप से, उसने इसका संकेत दिया; उसने ऐसा नहीं कहा। और इसलिए, मैं वहाँ गया, और वहाँ एक आदमी सड़क के कोने पर एक कुर्सी पर बैठा था और उसके हाथ में पैसे माँगने के लिए एक बोर्ड था।

और, आप जानते हैं, जैसा कि हमने साझा किया, मैं आम तौर पर नहीं देता। और बस कुछ अलग था। मैं कहना चाहूंगा कि यह उसकी आत्मा थी, लेकिन यह बस कुछ अलग था।

और मैं वहाँ चला गया, और मैं वहाँ बैठ गया। मैं क्या करूँ? खैर, मैं उसे कोई पैसा नहीं दूँगा। मैं ऐसा नहीं करूँगा। लेकिन, आप जानते हैं, मैं उसे नहीं जानता, मैं उसकी कहानी नहीं जानता, मैं नहीं जानता कि वह वहाँ क्यों है।

और मैं चिकन-फिल-ए में चला गया, और मैंने काउंटर के पीछे खड़ी लड़की से बात की, और मैंने पूछा, क्या तुम उसे हमेशा वहाँ देखती हो? और वह कहती है, मैंने उसे वहाँ सिर्फ एक या दो बार पहले देखा है। तो, मैंने उसे चिकन-फिल-ए डिनर खरीदा और उसे दे दिया। और वह बहुत आभारी था, बहुत सराहना करता था, और आप उसकी बातचीत के आधार पर बता सकते थे कि उसे अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

मुझे लगा कि उसे कुछ पता नहीं था। मुझे नहीं पता कि वह ईसाई है या नहीं, लेकिन उसे नहीं पता था कि उसे कैसे खाना खिलाया जाएगा। शायद चिकन-फिल-ए के बाहर साइनबोर्ड के साथ कुर्सी पर बैठना और सड़क के दूसरी तरफ क्या है, यह जानना समझदारी होगी? क्या वह वफ़ल हाउस या आईएचओपी या कुछ और है? शायद वहाँ कुछ योजना है। लेकिन मुझे लगा कि उसे नहीं पता था कि उसका खाना कहाँ से आ रहा है।

और फिर भी प्रभु ने उसके लिए प्रावधान किया। उसी तरह, और यह नहीं भी हो सकता है, मेरा मतलब है, यह होगा; मुझे याद है कि जब हम अजुसा छोड़कर स्पोकैन गए थे, तब हम वास्तव में एक कठिन समय से गुज़रे थे; मैं सॉफ़्टवेयर लिख रहा था। मैंने एक चर्च प्रबंधन सॉफ़्टवेयर पैकेज और एक डोनर प्रबंधन सॉफ़्टवेयर पैकेज लिखा था।

सैन फ्रांसिस्को की एक कंपनी इसे बेचने जा रही थी। मैंने अजुसा में अपनी नौकरी छोड़ दी, स्पोकैन चला गया, और कुछ समय के लिए प्रोग्राम करने जा रहा था। और यह पता चला कि कंपनी सैन फ्रांसिस्को में है, और मुझे नहीं लगता कि उनका मुझे भुगतान करने का कोई इरादा था।

और इसलिए, हम वहाँ पहुँच गए हैं। आप जानते हैं, न्यू टेस्टामेंट में पीएचडी से ज़्यादा बेकार कुछ भी नहीं है। मेरे पास MDiv नहीं है, लेकिन मेरे पास मास्टर्स है।

मैं यह कर रहा हूँ। आप किसी चर्च में जाकर यह नहीं कह सकते कि मैं स्टाफ़ पर काम करना चाहता हूँ। आपका MDiv कहाँ से है? उनके पास MDiv नहीं है।

आप जानते हैं, आपने पीएचडी की है, ओह, तो आप कर सकते हैं, लेकिन यह वास्तविक दुनिया पर लागू नहीं होता है। आप जानते हैं, न्यू टेस्टामेंट में पीएचडी बेकार है अगर आपके पास कोई शिक्षण पद नहीं है। लगभग बेकार।

और हम वहाँ बैठे सोच रहे थे कि पता नहीं क्या होने वाला है। और मैं फ़ोन पर किसी से बात कर रहा था। यह तब की बात है जब हमसे लंबी दूरी की फ़ोन कॉल के लिए पैसे लिए जाते थे।

और मेरी पत्नी नीचे आई। उसने पूछा, आप किससे बात कर रहे हैं? और मैंने कहा, अच्छा, ग्रैंड रैपिड्स में कोई, मुझे लगता है। उसने कहा, ठीक है।

उसने कहा, बस मैं तुम्हें कुछ बताऊँ। मैंने कहा, ठीक है, तो, दूसरा। उसने कहा कि मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है।

आपको यह जानना होगा कि हमारे पास 10 डॉलर हैं। तो, आप शायद फ़ोन कॉल को समाप्त करना चाहें। अरे, मैं आपको एक ईमेल भेजूँगा।

या शायद तब भी यह एक पत्र ही था। और मुझे फोन काट दिया गया। और यह एक दिलचस्प समय था।

हमारे जीवन का सबसे अच्छा समय। बिल्कुल गरीबी में। हमारे पास एक घर था।

लेकिन हमारे पास बिल्कुल कुछ नहीं था। और हम बाती पर निर्भर थे क्योंकि बच्चे अभी भी छोटे थे।

और रॉबिन के लिए इस तरह से पैसे लेना बहुत मुश्किल था। और सच कहूँ तो यह शर्मनाक था। आप कभी नहीं सोचते कि आपको सरकारी सब्सिडी पर जीना पड़ेगा।

लेकिन हमें कई सालों तक ढेर सारे अंडे और पीनट बटर मिलते रहे। एक दिन, मेल में 200 डॉलर का चेक आया। और रॉबिन ने उसे खोला।

भगवान उसका भला करे। वह कहती है, मुझे इससे नफरत है। मैंने कहा, \$200? मैं पीनट बटर के अलावा कुछ और खरीद सकता हूँ।

लेकिन यह कठिन था। यह हम दोनों के लिए कठिन था। ऐसा लगा जैसे हम हार गए हों।

लेकिन यह उस बिंदु पर पहुँच गया जहाँ हम कहते हैं, ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे हम खुद के लिए प्रावधान कर सकें। इसलिए, मुझे आश्चर्य है कि इस महीने प्रभु क्या करने जा रहे हैं। और यह लगभग एक खेल नहीं, बल्कि विश्वास का एक अभ्यास बन गया।

जैसे, ओह, ठीक है। हे भगवान, इस महीने आप क्या करने जा रहे हैं? और आखिरकार, मुझे अचानक से टाइपसेटिंग करने के लिए कॉल आया। मैंने कहा, ओह, अच्छा, मुझे कंप्यूटर पसंद है।

मैं इसे समझ सकता हूँ। और मैं इस बिंदु पर पहुँच गया कि मैंने ज़ोंडरवन की लगभग सभी पुस्तकों को टाइपसेट किया, अगर उनमें हिब्रू और ग्रीक था। इसलिए, मैंने लगभग तीन साल तक टाइपसेटिंग की।

यह सिर्फ़ भगवान की कृपा है। और इस सबका मतलब यह था कि कभी-कभी हमें यह पसंद नहीं आता कि वह हमें कैसे प्रदान करता है। यह वैसा नहीं है जैसा हम चाहते हैं।

यह पर्याप्त नहीं है। या यह सही तरह का पैसा नहीं है। जब आपको कभी दान के रूप में पैसा नहीं दिया गया हो, तो वह पहला चेक वास्तव में कठिन होता है, है न? मुझे लगता है कि हममें से अधिकांश लोगों के साथ ऐसा कुछ हुआ है।

इसे स्वीकार करना वाकई मुश्किल है। इसलिए, मुझे लगता है कि चिंता का एक हिस्सा यह है कि, ठीक है, भगवान, मुझे लगता है कि आप हमारी देखभाल कर सकते हैं, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि मुझे आपका यह तरीका पसंद आएगा। और भगवान कहते हैं कि यह वास्तव में आपका निर्णय नहीं है, छोटे फूल।

टिड्डा। मैं अपने छोटे से टिड्डे के साथ वैसा ही व्यवहार करूँगा जैसा मैं चाहता हूँ। इसलिए, मुझे लगता है कि यह भी चिंता का एक हिस्सा है, कि ठीक है, मैं भूखा नहीं मरने वाला हूँ।

मेरे बच्चे बिना कपड़ों के नहीं जा रहे हैं, लेकिन यह... मेरा मतलब है, मुझे अपने अंडरगारमेंट्स खरीदने के लिए साल्वेशन आर्मी जाना पसंद है। भगवान कहते हैं कि यह मुद्दा नहीं है। इसलिए मुझे लगता है कि चिंता की यह पूरी बात उस बात पर वापस जाती है जो आप कह रहे थे, जेसन। यह वास्तव में भगवान के बारे में हमारे दृष्टिकोण पर वापस जाता है।

क्या हम उस पर भरोसा करते हैं? और यह सिर्फ उसकी शक्ति पर भरोसा करने तक सीमित नहीं है। क्या हम यह स्वीकार करने के लिए तैयार हैं कि वह हमारे लिए कैसे काम करता है? और यह एक चुनौती है। क्योंकि मैं अपने बच्चे को कभी नहीं कहूँगा कि वह साल्वेशन आर्मी से अंडरवियर खरीदे।

इस्तेमाल किया हुआ अंडरवियर। मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ। लेकिन हो सकता है कि भगवान... मेरे कुछ दोस्त हैं जो अपने सारे कपड़े यहीं से खरीदते हैं।

वे इससे पूरी तरह खुश हैं। उन्हें इससे सबसे ज्यादा मज़ा आता है। और उन्हें इस बात से कोई परेशानी नहीं है कि प्रभु उन्हें साल्वेशन आर्मी की थ्रिफ्ट शॉप से इस्तेमाल किए गए अंडरगारमेंट्स मुहैया करा दें।

या फिर जहाँ भी वे बचत की दुकान पर जाते हैं। यही वह विश्वास है जो परमेश्वर हमसे चाहता है। और अगर हमारे पास यह है, तो हम पूरे दिल से उसके राज्य की तलाश कर सकते हैं, उसकी धार्मिकता की तलाश कर सकते हैं।

हम देख सकते हैं कि वह हमें जीवन की बुनियादी ज़रूरतें देता है, जैसा वह चाहता है, जिस तरह से वह चाहता है, और जिस मात्रा और गुणवत्ता में वह चाहता है। और इसलिए, हमें बस वर्तमान में जीने, उसके राज्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बुलाया गया है, और आज हमारे सामने जो भी चुनौतियाँ हैं, कल जो भी चुनौतियाँ होंगी, हम उन चुनौतियों का सामना कल करेंगे। लेकिन आज नहीं।

ठीक है? कठिन बात है। मुझे लगता है कि जब आप वास्तव में इस अध्याय में आगे बढ़ना शुरू करते हैं। हम सभी ने कितनी तस्वीरें देखी हैं? सबसे पहले परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करें।

मुलायम, सुंदर, सोने से सजे फ्रेम। जब बात आती है, तो यह वाकई बहुत मुश्किल है।

यह डॉ. बिल मौस द्वारा माउंट पर उपदेश देते हुए दिया गया उपदेश है। यह सत्र 13, मैथ्यू 6:25, और उसके बाद, चिंता और ईश्वर पर भरोसा करने पर है।